स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अवसर पर साहित्य अकादेमी का हिंदी कवि सम्मिलन

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

भारत की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यक्रमों की श्रृंखला में साहित्य अकादेमी ने इंडिया, 75 हिंदी कवि सम्मिलन के रूप में पहले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कवि सम्मिलन में देश के जाने माने हिंदी कवियों कुँवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी,सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम के आरंभ में अकादेमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने सभी का स्वागत सूत की गांधी माला से किया और प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए स्वाधीनता के अमृत महोत्सव की विस्तृत जानकारी श्रोताओं को दी। उन्होंने कहा कि शहीद दिवस के अवसर पर हो रहे इस कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई है। कवि सम्मिलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि कुँवर बेचैन ने की और संचालन लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने किया। उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं जिसमें उन्होंने शहीदों को याद करते हुए युवाओं को विवेकानंद से प्रेरणा लेने की अपील की। कवयित्री सरिता शर्मा ने एक युवा शहीद की पत्नी की संवेदना को दर्शाते हुए ... प्रस्तुत किया,जिसका ... शहीद फौजी अपनी ... अपने वतन को प्यार ...

स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित की कविताएं

भारत की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में इंडिया एट द रेट 75 हिंदी कवि सम्मेलन के रूप में पहले कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें देश के जाने माने हिंदी कवि कुंवर बेचैन ने सभी से मजहब और भाषा की दीवारें गिराकर एक दूसरे के साथ एक रंग में मिलकर राष्ट्र को आगे बढ़ाने की अपील की। उपेंद्र कुमार पांडेय ने शहीदों को याद करते हुए युवाओं को विवेकानंद से प्रेरणा लेने की अपील की। कवयित्री सरिता शर्मा ने एक युवा शहीद की पत्नी की संवेदना को दर्शाते हुए मार्मिक गीत प्रस्तुत किया। अशोक चक्रधर ने सेल्यूलर जेल में रहे स्वतंत्रता सेनानी मजूमदार के अनुभवों पर केंद्रित अपनी कविता प्रस्तुत की। लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कई सच्ची कहानियों को छंदों में प्रस्तुत किया और अंत में, शहीदों को नमन करते हुए गीत सुनाया।

नामचीन कवियों ने श्रोताओं में भरा देशभक्ति का जोश, मज़हब और भाषा की दीवारें गिराकर राष्ट्र को आगे बढ़ाने का दिया संदेश!

साहित्य अकादेमी की ओर से इंडिया@75 हिंदी कवि सम्मिलन के रूप में पहला कार्यक्रम आयोजित किया.

साहित्य अकादेमी की ओर से इंडिया@75 हिंदी कवि सम्मिलन के रूप में पहला कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें देश के जाने माने हिंदी कवियों कुँवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया. कुँअर बेचैन ने सभी से मज़हब और भाषा की दीवारें गिराकर एक दूसरे के साथ एक रंग में मिलकर राष्ट्र को आगे बढ़ाने की अपील एक सुंदर गीत के माध्यम से की.

• NEWS18HINDI
• LAST UPDATED: MARCH 24, 2021, 1:43 PM IST

SHARE THIS:

नई दिल्ली. भारत की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अवसर पर साहित्य अकादेमी (Sahitya Academi) की ओर से इंडिया@75 हिंदी कवि सम्मिलन के रूप में पहला कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें देश के जाने माने हिंदी कवियों कुंवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया.

कार्यक्रम के आरंभ में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी का स्वागत सूत की गाँधी माला से किया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (PM Narendra Modi) द्वारा स्वाधीनता के अमृत महोत्सव (Amrit Mahotsav) की शुरूआत करने से आज शहीद दिवस के अवसर पर हो रहे इस कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई है.

उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी कविताओं में शहीदों को याद करते हुए युवाओं को विवेकानंद से प्रेरणा लेने की अपील की. कवयित्री सरिता शर्मा ने एक युवा शहीद की पत्नी की संवेदना को दर्शाते हुए मार्मिक गीत प्रस्तुत किया. इस गीत का भाव यह था कि शहीद फौजी अपनी पत्नी से अधिक अपने वतन को प्यार करता है.

अशोक चक्रधर ने सेल्यूलर जेल में रहे स्वतंत्रता सेनानी मजूमदार के अनुभवों पर केंद्रित अपनी कविता प्रस्तुत की. इसमें उन्होंने मार्मिक तरीके से दर्शाया कि अंग्रेजों के हर प्रहार पर क्रांतिकारी 'वंदेमातरम' का उच्चारण करते थे.
लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कई सच्ची कहानियों को छंदों में प्रस्तुत किया. कुँअर बेचैन ने सभी से मज़हब और भाषा की दीवारें गिराकर एक दूसरे के साथ एक रंग में मिलकर राष्ट्र को आगे बढ़ाने की अपील एक सुंदर गीत के माध्यम से की.

स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर 'इंडिया @ 75 हिंदी कवि सम्मेलन'

ALL DELHI NARENDRA MODI

Bhavna Sharma March 23, 2021 Read Time: 3 Minute, 25 Second

Share 2 0

कुंवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडेय ने स्वाधीनता सेनानियों और वीर जवानों के लिए पढ़ी कविताएं

विशेष संवाददाता
नई दिल्ली। भारत की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यक्रमों की शृंखला में साहित्य अकादेमी ने 'इंडिया @75 हिंदी कवि सम्मेलन के रूप में पहले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कवि सम्मिलन में देश के जाने माने हिंदी कवियों कुँवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के आरंभ में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी का स्वागत सूत की गांधी माला से किया और प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए स्वाधीनता के अमृत महोत्सव की विस्तृत जानकारी श्रोताओं को दी। उन्होंने कहा कि आज शहीद दिवस के अवसर पर हो रहे इस कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई है। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि कुँवर बेचैन ने की और संचालन लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने किया। सर्वप्रथम उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी कविता पढ़ी। जिसमें उन्होंने शहीदों को याद करते हुए युवाओं को विवेकानंद से प्रेरणा लेने की अपील की। कवयित्री सरिता शर्मा ने एक युवा शहीद की पत्नी की संवेदना को दर्शाते हुए मार्मिक गीत प्रस्तुत किया, जिसका भाव यह था कि शहीद फौजी अपनी पत्नी से अधिक अपने वतन को प्यार करता है।

अशोक चक्रधर ने सेल्यूलर जेल में रहे स्वतंत्रता सेनानी मजूमदार के अनुभवों पर केंद्रित अपनी कविता प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने मार्मिक तरीके से दर्शाया कि अंग्रेजों के हर प्रहार पर क्रांतिकारी 'वंदेमातरम' का उच्चारण करते थे। लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कई सच्ची कहानियों को छंदों में प्रस्तुत किया और अंत में, शहीदों को नमन करते हुए गीत सुनाया। कुँअर बेचैन ने सभी से मजहब और भाषा की दीवारें गिराकर एक दूसरे के साथ एक रंग में मिलकर राष्ट्र को आगे बढ़ाने की अपील एक सुंदर गीत के माध्यम से की। कवि सम्मिलन साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव द्वारा विधिवत् धन्यवाद ज्ञापन से संपन्न हुआ।

हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 मार्च।

अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री की ओर से शुरू किए गए कार्यक्रमों की श्रृंखला में साहित्य अकादेमी ने 'इंडिया एट 75' हिंदी कवि सम्मेलन के रूप में पहले कार्यक्रम का आयोजन किया। कवि सम्मेलन में देश के जाने माने हिंदी कवियों कुंवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के आरंभ में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी का स्वागत सूत की गांधी माला से किया और कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज शहीद दिवस के अवसर पर हो रहे इस कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई है। कवि सम्मिलन की अध्यक्षता कुंवर बेचैन और संचालन लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने किया। सर्वप्रथम उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं। कवयित्री सरिता शर्मा ने एक युवा शहीद की पत्नी की संवेदना को दर्शाते हुए मार्मिक गीत प्रस्तुत किया।

अशोक चक्रधर ने स्वतंत्रता सेनानी मजूमदार के अनुभवों पर केंद्रित अपनी कविता प्रस्तुत की। लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कई सच्ची कहानियों को छंदों में प्रस्तुत किया और अंत में शहीदों को नमन करते हुए गीत सुनाया। कुंवर बेचैन ने सभी से मजहब और भाषा की दीवारें गिराकर एक दूसरे के साथ एक रंग में मिलकर राष्ट्र को आगे बढ़ाने की अपील एक सुंदर गीत से की।

अमृत महोत्सव का शुभारंभ हुआ

नई दिल्ली। भारत की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर साहित्य अकादमी ने कवि सम्मेलन के साथ पहले कार्यक्रम की शुरुआत की। कवि कुंवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडेय ने देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के आरंभ में अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि आज शहीद दिवस के अवसर पर हो रहे इस कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई है। कवि सम्मिलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि कुंवर बेचैन ने की और संचालन लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने किया। कुंअर बेचैन ने कविता पेश की।

अमृत महोत्सव: हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : साहित्य अकादमी में मंगलवार कोभारत की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के मौके पर हिंदी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश के जाने माने हिंदी कवियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कार्यक्रम में आए लोगों को अमृत महोत्सव की पूरी जानकारी दी। वहीं उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं जिसमें उन्होंने शहीदों को याद करते हुए युवाओं को विवेकानंद से प्रेरणा लेने की अपील की। कवयित्री सरिता शर्मा ने एक युवा शहीद की पत्नी की संवेदना को दर्शाते हुए मार्मिक गीत प्रस्तुत किया, जिसका भाव यह था कि शहीद फौजी अपनी पत्नी से अधिक अपने वतन को प्यार करता है। अशोक चक्रधर ने सेल्यूलर जेल में रहे स्वतंत्रता सेनानी मजूमदार के अनुभवों पर केंद्रित अपनी कविता प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने मार्मिक तरीके से दर्शाया कि अंग्रेजों के हर प्रहार पर क्रांतिकारी 'वंदेमातरम" का उच्चारण करते थे। लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कई सच्ची कहानियों को छंदों में प्रस्तुत किया और अंत में, शहीदों को नमन करते हुए गीत सुनाया।

शहीद दिवस पर 'इंडिया @75 कवि सम्मेलन'

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने भारत की स्वाधीनता के 75वें साल में शहीद दिवस को अमृत उत्सव के रूप में मनाया। साहित्य अकादमी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यक्रमों की शृंखला में मंगलवार को 'इंडिया@75 हिंदी कवि सम्मेलन' आयोजित किया। सम्मेलन में जाने माने हिंदी कवि कुंवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा और उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी कविताएं पढ़ीं। कवियों ने स्वाधीनता के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले वीर जवानों की शान में देशभक्ति की कविताएं पढ़कर श्रोताओं का मन मोह लिया। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने सूत की गांधी माला पहनाकर कवियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि शहीद दिवस पर हो रहे इस कार्यक्रम की गरिमा बढ़ गई है।

उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी कविताओं के जरिये युवाओं को विवेकानंद से प्रेरणा लेने की अपील की। सरिता शर्मा ने एक युवा शहीद की पत्नी की संवेदना पर आधारित मार्मिक गीत प्रस्तुत किया। जिसका भाव यह था कि शहीद फौजी अपनी पत्नी से अधिक अपने वतन को प्यार करता है।

वहीं, अशोक चक्रधर ने सेल्यूलर जेल में रहे स्वतंत्रता सेनानी मजूमदार के अनुभवों पर केंद्रित कविता प्रस्तुत की। उन्होंने मार्मिक तरीके से दर्शाया कि अंग्रेजों के हर प्रहार पर क्रांतिकारी 'वंदेमातरम' बोलते थे। ब्यूरो

'इंडिया 75 हिंदी' कवि सम्मेलन का शुभारंभ

नई दिल्ली (एसएनबी)। भारत की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यक्रमों की श्रृंखला में साहित्य अकादेमी की ओर से शुरू किए गए 'इंडिया 75' हिंदी कवि सम्मेलन के रूप में पहले कार्यक्रम आयोजित किया गया। कवि सम्मेलन में देश के जाने माने हिंदी कवियों कुंवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया।

कुंवर बेचैन, अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडेय ने प्रस्तुत कीं कविताएं

कार्यक्रम के आरंभ में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी का स्वागत सूत की गाँधी माला से किया और माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए स्वाधीनता के अमृत महोत्सव की विस्तृत जानकारी श्रोताओं को दी। उन्होंने कहा कि आज शहीद दिवस के अवसर पर हो रहे इस कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई है। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कवि कुँवर बेचैन ने की और संचालन लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने किया। उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत की। कवयित्री सरिता शर्मा ने एक युवा शहीद की पत्नी की संवेदना को दर्शाते हुए गीत प्रस्तुत किया। अशोक चक्रधर ने सेल्यूलर जेल में रहे स्वतंत्रता सेनानी मजूमदार के अनुभवों पर केंद्रित अपनी कविता प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने मार्मिक तरीके से दर्शाया कि अंग्रेजों के हर प्रहार पर क्रांतिकारी 'वंदेमातरम' का उच्चारण करते थे। लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी कई सच्ची कहानियों को छंदों में प्रस्तुत किया और अंत में, शहीदों को नमन करते हुए गीत सुनाया। कुँअर बेचैन ने सभी से मज़हब और भाषा की दीवारें गिराकर एक दूसरे के साथ एक रंग में मिलकर राष्ट्र को आगे बढ़ाने की अपील एक सुंदर गीत के माध्यम से की।

देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं ने मनमोहा

नई दिल्ली। भारत की स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अवसर प
प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए कार्यक्रमों की शृंखला में साहित्य अकादेम
ने इंडिया 75 हिंदी कवि सम्मिलन के रूप में पहले कार्यक्रम का आयोज
किया गया। कवि सम्मिलन में देश के जाने माने हिंदी कवियों कुँवर बेचैन
अशोक चक्रधर, लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा एवं उपेंद्र कुमार पांडे
ने अपनी देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया
कार्यक्रम के आरंभ में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी व
स्वागत सूत की गाँधी माला से किया। कवि सम्मिलन की अध्यक्षता वरिष
कवि कुँवर बेचैन ने की और संचालन लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने किया
सर्वप्रथम उपेंद्र कुमार पांडेय ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत की। कवयित्र
सरिता शर्मा ने एक युवा शहीद की पत्नी की संवेदना को दर्शाते हुए मार्मि
गीत प्रस्तुत किया। अशोक चक्रधर ने सेल्यूलर जेल में रहे स्वतंत्रता सेना
मजूमदार के अनुभवों पर केंद्रित अपनी कविता प्रस्तुत की।